

भारत सरकार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं.: 1411

उत्तर देने की तारीख: 28.07.2026

जम्मू और कश्मीर में नशा मुक्ति जागरूकता शिविर

1411. श्री आगा सैय्यद रूहुल्लाह मेहदी:

क्या सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) सरकार द्वारा जम्मू और कश्मीर संघ राज्यक्षेत्र में मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने के लिए नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता अभियान, नशा मुक्ति, पुनर्वास और परामर्श सेवाओं सहित क्या उपाय किए गए हैं,
- (ख) उक्त अभियान के अंतर्गत स्थापित या सुदृढ़ किए गए नशा मुक्ति केंद्रों, परामर्श सुविधाओं और पुनर्वास सेवाओं का जिला-वार ब्यौरा क्या है;
- (ग) विगत तीन वर्षों के दौरान आयोजित किए गए जागरूकता कार्यक्रमों, जागरूक बनाए गए व्यक्तियों, नशे की लत से छुटकारे हेतु उपचार प्राप्त करने वाले और पुनर्वासित व्यक्तियों और गिरफ्तार मादक पदार्थ तस्करों की वर्ष-वार संख्या कितनी है, और
- (घ) सरकार द्वारा उक्त अभियान की प्रभावकारिता तथा इसके अंतर्गत अब तक प्राप्त परिणामों का आकलन करने के लिए क्या तंत्र अपनाया गया है?

उत्तर

सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री
(श्री बी. एल. वर्मा)

(क): संघ राज्य क्षेत्र जम्मू-कश्मीर में नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सरकार द्वारा 'नशा मुक्त भारत अभियान' (एनएमबीए) के तहत किए गए उपायों, जिनमें जागरूकता अभियान, नशा-मुक्ति, पुनर्वास और परामर्श सेवाएं शामिल हैं, का विवरण संलग्नक-I में दिया गया है।

(ख): इस अभियान के तहत जिलेवार स्थापित या सुदृढ़ किए गए नशा-मुक्ति केंद्रों, काउंसलिंग सुविधाओं और पुनर्वास सेवाओं का विवरण संलग्नक-II में दिया गया है।

(ग): पिछले तीन वर्षों के दौरान आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों, जागरूक किए गए लोगों, नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले ऐसे व्यक्ति जिनका उपचार और पुनर्वास किया गया, तथा गिरफ्तार किए गए ड्रग तस्करों की संख्या वर्ष-दर-वर्ष इस प्रकार है:

	आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों की संख्या	जागरूक किए गए लोगों की संख्या	नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले ऐसे व्यक्तियों की संख्या जिनका उपचार और पुनर्वास किया गया
2023-24	18,939	10,02,860	35,639
2024-25	5,851	84,89,948	39,711
2025-26	6,346	6,24,867	28,366

वर्ष 2023, 2024 और 2025 में गिरफ्तार किए गए ड्रग तस्करों की संख्या क्रमशः 3072, 2158 और 2500 है।

(घ): नशा मुक्त भारत अभियान के कार्यान्वयन की समीक्षा राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ मासिक समीक्षा बैठकों, चिंतन शिविरों और राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों के माध्यम से नियमित रूप से की जाती है। इन बैठकों के दौरान, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर नशामुक्त भारत अभियान समितियों बनाने और नियमित रूप से बैठकें आयोजित करने के लिए फॉलो-अप किया जाता है। इस व्यवस्थित दृष्टिकोण का उद्देश्य नशीले पदार्थों के दुरुपयोग से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए शासन के सभी स्तरों पर समन्वित प्रयासों को बढ़ावा देना है। इस अभियान के परिणामस्वरूप लगातार जागरूकता बढ़ी है, समुदाय की भागीदारी में वृद्धि हुई है, विभागों के बीच आपसी समन्वय बढ़ा है, और नशीले पदार्थों के सेवन से प्रभावित लोगों की रोकथाम, उपचार और पुनर्वास के लिए पहुंच बेहतर हुई है। जम्मू-कश्मीर में, बड़े पैमाने पर जागरूकता और जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से अब तक 1.20 करोड़ से अधिक लोगों को जागरूक किया गया है; इनमें 69.14 लाख से अधिक युवा और 51.20 लाख महिलाएं शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर में 8,565 नशा मुक्ति मित्र अभियान में शामिल हुए हैं।

जम्मू और कश्मीर में नशा-मुक्ति जागरूकता शिविर के संबंध में 28.07.2026 को उत्तर के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1411 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित संलग्नक-I

संघ राज्य क्षेत्र जम्मू-कश्मीर में नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने के लिए 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत सरकार द्वारा किए गए उपायों, जिनमें जागरूकता अभियान, नशा-मुक्ति, पुनर्वास और परामर्श सेवाएं शामिल हैं, का विवरण इस प्रकार है:

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय देश में नशीले पदार्थों की मांग में कमी लाने के लिए नोडल मंत्रालय है। नशीले पदार्थों के दुरुपयोग की समस्या से निपटने के लिए, इस विभाग ने 'ड्रग्स की मांग में कमी की राष्ट्रीय कार्य योजना' (एनएपीडीडीआर) तैयार की है और इसे लागू कर रहा है। यह केंद्र द्वारा प्रायोजित एक योजना है, जिसके तहत निम्नलिखित को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है:

- i. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा निवारक शिक्षा एवं जागरूकता सृजन, क्षमता निर्माण, नशीले पदार्थों की मांग में कमी लाने हेतु कार्यक्रम आदि के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासन को।
- ii. नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के पीड़ितों हेतु एकीकृत पुनर्वास केंद्र (आईआरसीए), सहकर्मियों के नेतृत्व वाला समुदाय आधारित हस्तक्षेप (सीपीएलआई), आउटरीच एवं ड्रॉप-इन केंद्रों (ओडीआईसी) तथा जिला नशा मुक्ति केंद्रों (डीडीएसी) के संचालन एवं मॉनिटरिंग के लिए गैर-सरकारी संगठनों/स्वैच्छिक संगठनों को।
- iii. नशा मुक्ति उपचार सुविधाओं (एटीएफ) के लिए सरकारी अस्पतालों को।

ड्रग्स की मांग में कमी की राष्ट्रीय कार्य योजना योजना के तहत निम्नलिखित कार्य किए गए हैं:

- i. 344 नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के पीड़ितों हेतु एकीकृत पुनर्वास केंद्र (आईआरसीए) हैं, जो ड्रग लेने वालों को इन-पेशेंट उपचार के साथ-साथ काउंसलिंग, डिटॉक्सिफिकेशन/नशा-मुक्ति, देखभाल और समाज की मुख्यधारा में फिर से शामिल करने की सुविधा देते हैं।
- ii. 45 सहकर्मियों के नेतृत्व वाला समुदाय आधारित हस्तक्षेप (सीपीएलआई) कार्यक्रम 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के साथ काम करते हैं ताकि उन्हें ड्रग्स के बारे में जागरूक किया जा सके और जीवन जीने के जरूरी कौशल सिखाए जा सकें।
- iii. 76 आउटरीच और ड्रॉप-इन सेंटर (ओडीआईसी) हैं, जो स्क्रीनिंग, मूल्यांकन और काउंसलिंग की सुविधा के साथ सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराते हैं और उसके बाद उपचार और पुनर्वास सेवाओं के लिए रेफरल और लिंकेज की सुविधा भी देते हैं।

iv. सरकारी अस्पतालों में 155 नशा-मुक्ति केंद्र (एटीएफ)।

v. 145 जिला नशामुक्ति केंद्र (डीडीएसी) जो आईआरससीए, ओडीआईसी और सीपीएलआई द्वारा दी जाने वाली तीनों सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराते हैं।

vi. जम्मू-कश्मीर में, विभाग 1 आईआरससीए, 3 ओडीआईसी, 2 सीपीएलआई, 6 डीडीएसी और 21 एटीएफ को सहायता प्रदान कर रहा है।

vii. सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय नशा-मुक्ति के लिए एक टोल-फ्री हेल्पलाइन - 14446 चला रहा है। इस हेल्पलाइन के माध्यम से सहायता प्राप्त करने वाले लोगों को शुरुआती काउंसलिंग और तुरंत रेफरल सेवाएं दी जाती हैं। अब तक 4.6 लाख से अधिक कॉल आ चुके हैं, जिनमें जम्मू-कश्मीर से आए 11,000 से अधिक कॉल भी शामिल हैं।

viii. नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) को 15 अगस्त, 2020 को सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग ने शुरू किया था। इसे एनसीबी से प्राप्त सप्लाई साइड की जानकारी और पहले राष्ट्रीय सर्वेक्षण के परिणामों के आधार पर, नशीले पदार्थों के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील 272 जिलों में शुरू किया गया था। अब अगस्त 2023 से इसका देश के सभी जिलों में विस्तार कर दिया गया है। 'नशा मुक्त भारत अभियान' का उद्देश्य आम लोगों तक पहुंचना और नशीले पदार्थों के उपयोग के बारे में जागरूकता फैलाना है, जिसमें उच्च शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय परिसरों और स्कूलों पर अधिक ध्यान दिया जाता है।

ix. सभी राज्यों के लगातार सहयोग से, एनएमबीए देश भर में बड़े पैमाने पर जागरूकता और पहुंच बढ़ाने वाली गतिविधियों के माध्यम से 29.05 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंचने और उन्हें जागरूक करने में सफल रहा है; इनमें 11.05 करोड़ से अधिक युवा और 7.81 करोड़ से अधिक महिलाएं शामिल हैं। 1.17 लाख से अधिक नशा मुक्ति मित्र इस अभियान में शामिल हुए हैं।

x. जम्मू-कश्मीर में, बड़े पैमाने पर जागरूकता और लोगों तक पहुंचने के कार्यक्रमों के माध्यम से अब तक 1.20 करोड़ से अधिक लोगों को जागरूक किया गया है; इनमें 69.14 लाख से अधिक युवा और 51.20 लाख से अधिक महिलाएं शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर में 8,565 नशा मुक्ति मित्र अभियान में शामिल हुए हैं।

जम्मू और कश्मीर में नशा-मुक्ति जागरूकता शिविर के संबंध में 28.07.2026 को उत्तर के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1411 के भाग (ख) के उत्तर में संदर्भित संलग्नक-II

इस अभियान के तहत जिलेवार स्थापित या सुदृढ़ किए गए नशा-मुक्ति केंद्रों, काउंसलिंग सुविधाओं और पुनर्वास सेवाओं का विवरण इस प्रकार है:

जम्मू-कश्मीर के सरकारी अस्पतालों में नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर (एनडीडीटीसी), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के माध्यम से स्थापित 21 नशा-मुक्ति उपचार केंद्रों की सूची

क्र.सं.	जिला	केन्द्र (एटीएफ) का नाम
1.	अनंतनाग	राजकीय मेडिकल कॉलेज, अनंतनाग
2.	बांदीपुरा	राजकीय जिला अस्पताल, बांदीपोरा
3.	बारामूला	राजकीय मेडिकल कॉलेज, बारामूला
4.	बडगाम	जिला अस्पताल, बडगाम
5.	डोडा	राजकीय मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, डोडा
6.	गांदरबल	जिला अस्पताल, गांदरबल
7.	जम्मू	राजकीय मेडिकल कॉलेज, जम्मू
8.	कठुआ	राजकीय मेडिकल कॉलेज, कठुआ
9.	किश्तवाड़	जिला अस्पताल, किश्तवाड़
10.	कुलगाम	जिला अस्पताल, कुलगाम
11.	कुपवाड़ा	जिला अस्पताल कुपवाड़ा
12.	पुंछ	जिला अस्पताल पुंछ
13.	पुलवामा	जिला अस्पताल पुलवामा
14.	रामबन	जिला अस्पताल रामबन
15.	राजौरी	राजकीय मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, राजौरी
16.	सांबा	जिला अस्पताल सांबा
17.	शोपियां	जिला अस्पताल शोपियां
18.	श्रीनगर	इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो-साइंसेज, सरकारी मेडिकल कॉलेज श्रीनगर
19.	श्रीनगर	एसकेआईएमएस श्रीनगर
20.	उधमपुर	जीएमसीएच उधमपुर
21.	रियासी	जिला अस्पताल रियासी

संघ राज्य क्षेत्र जम्मू-कश्मीर में नशा-मुक्ति केंद्रों की सूची

क्रसं..	जिला	संगठन का नाम	एनजीओ का प्रकार
1.	बांदीपुरा	जम्मू-कश्मीर छात्र कल्याण मिशन	डीडीएसी
2.	बडगाम	सांस्कृतिक, शैक्षिक और पर्यावरण संगठन	डीडीएसी
3.	जम्मू	हिमालय सेवा संघ	सीपीएलआई
4.	जम्मू	जम्मू-कश्मीर सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ़ यूथ एंड मासेज	आईआरसीए
5.	जम्मू	जम्मू-कश्मीर सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ़ यूथ एंड मासेज	ओडीआईसी
6.	कुलगाम	जम्मू-कश्मीर सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ़ यूथ एंड मासेज	डीडीएसी
7.	कुपवाड़ा	राष्ट्रीय शैक्षिक सोसाइटी और सामाजिक कल्याण संगठन	ओडीआईसी
8.	पुलवामा	कंसर्न्ड एबाउट यूनिवर्सल सोशल एम्पॉवरमेंट	डीडीएसी
9.	राजौरी	नेशनल एजुकेशनल सोसाइटी एंड सोशल वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन	डीडीएसी
10	सांबा	जम्मू-कश्मीर सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ़ यूथ एंड मासेज	डीडीएसी
11.	श्रीनगर	जम्मू-कश्मीर सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ़ यूथ एंड मासेज	सीपीएलआई
12.	श्रीनगर	जम्मू-कश्मीर सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ़ यूथ एंड मासेज	ओडीआईसी
